हाथी और बकरी

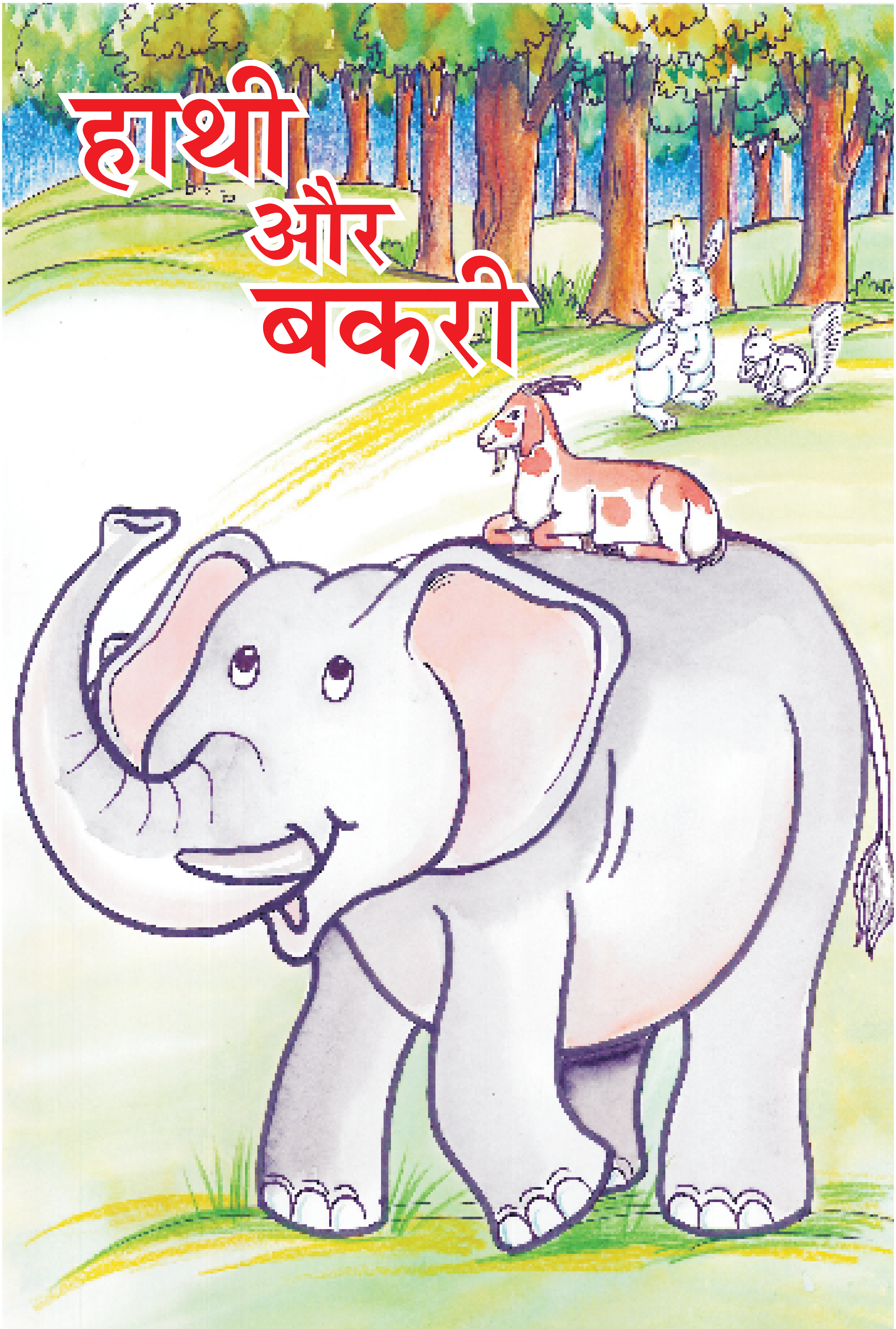

Front Cover Inner Side Page

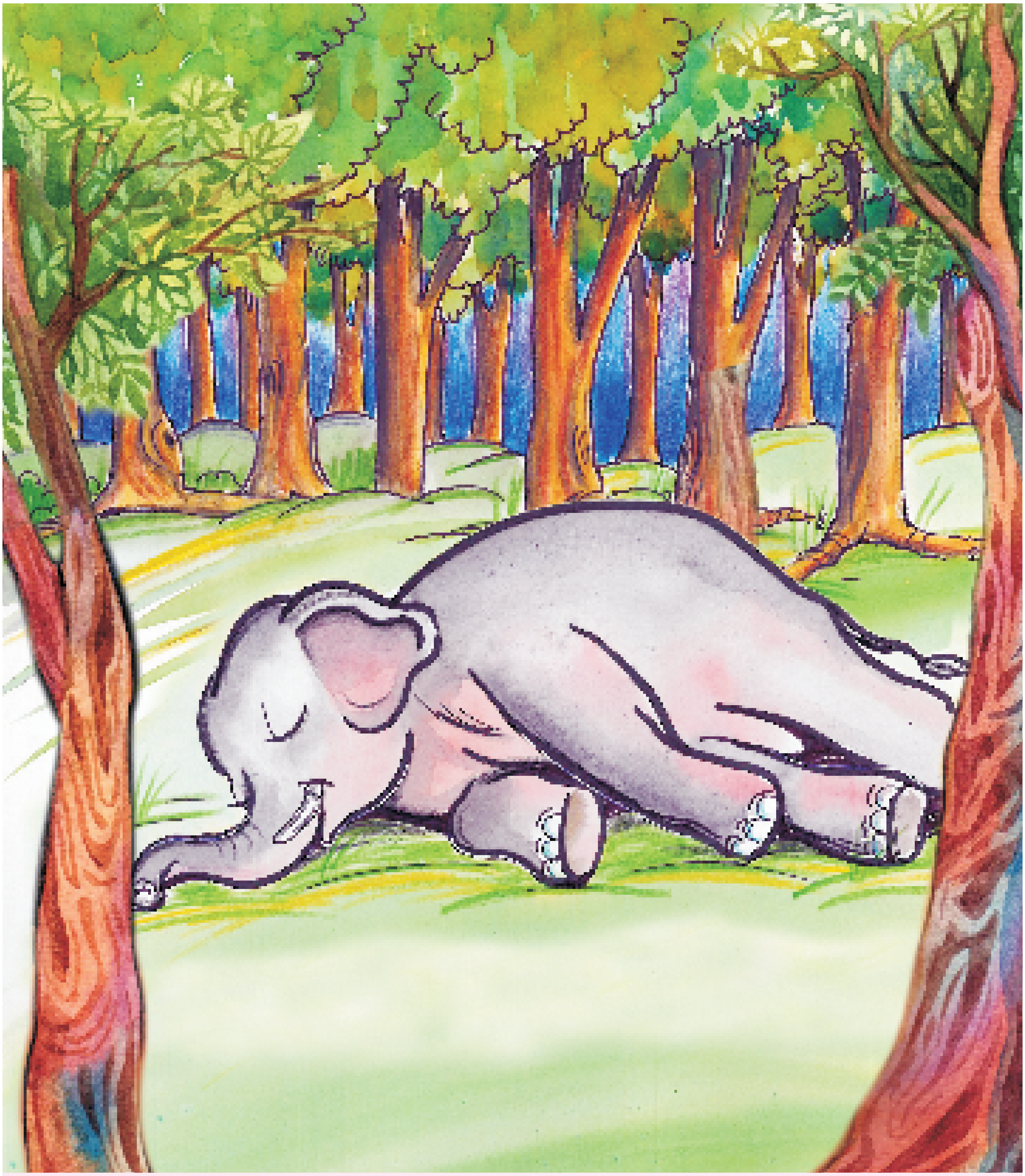

पेड़ के नीचे एक हाथी सो रहा था।

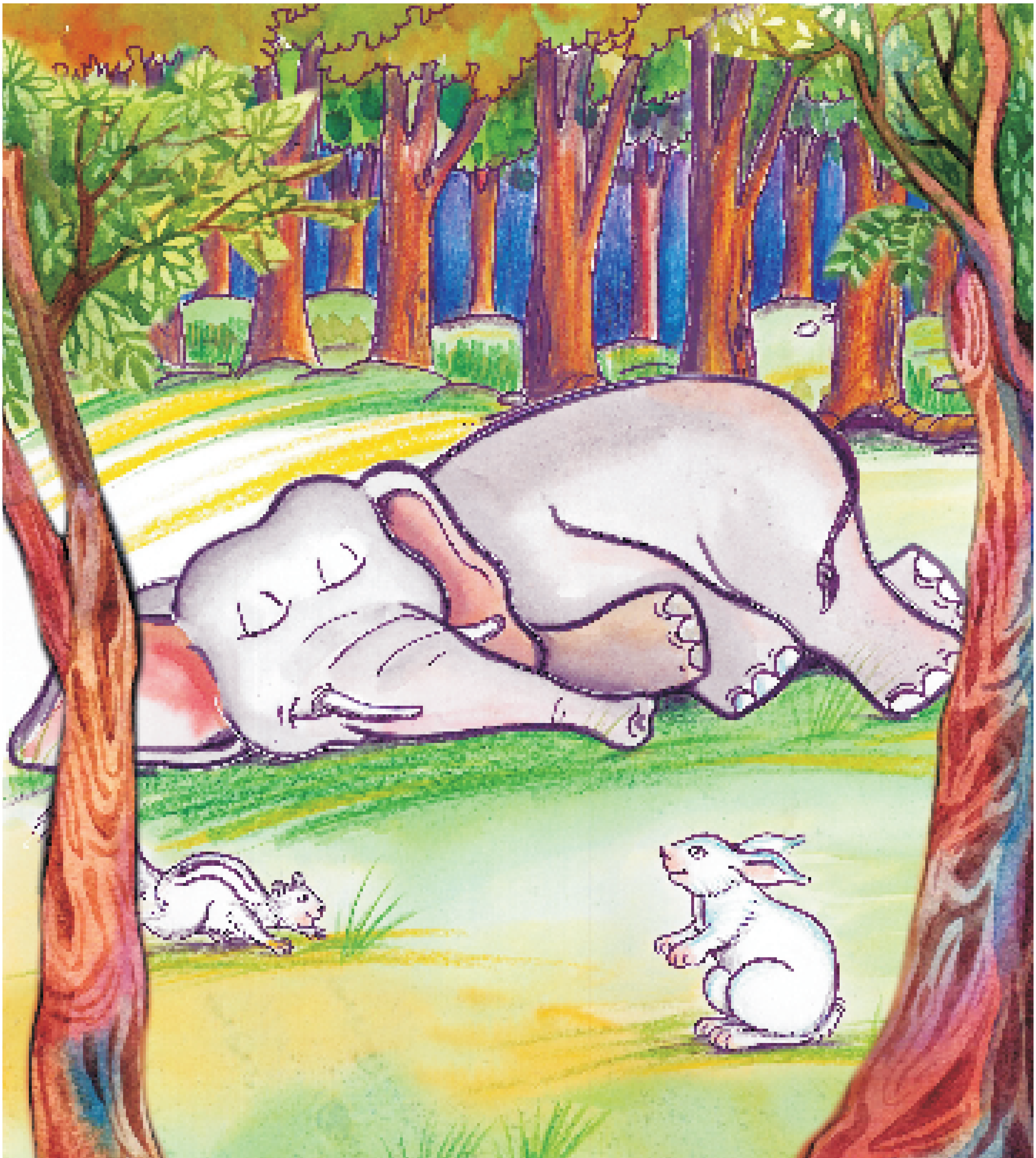

गिलहरी और खरगोश वहाँ खेल रहे थे।

खरगोश ने देखा कि हाथी पेड़ के नीचे सो रहा है।

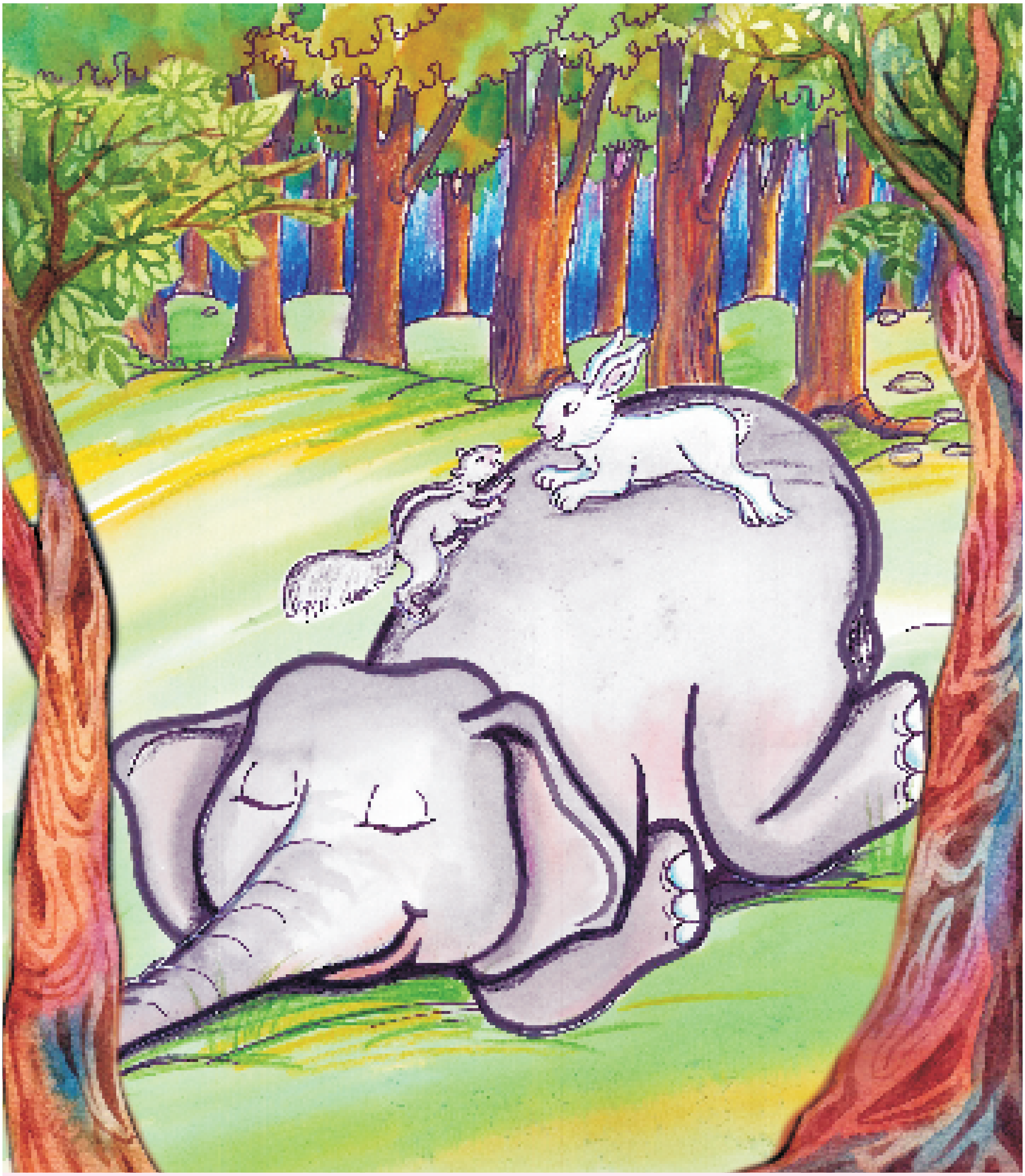

खेलते-खेलते वे दोनों
हाथी की पीठ पर चढ़ गए।

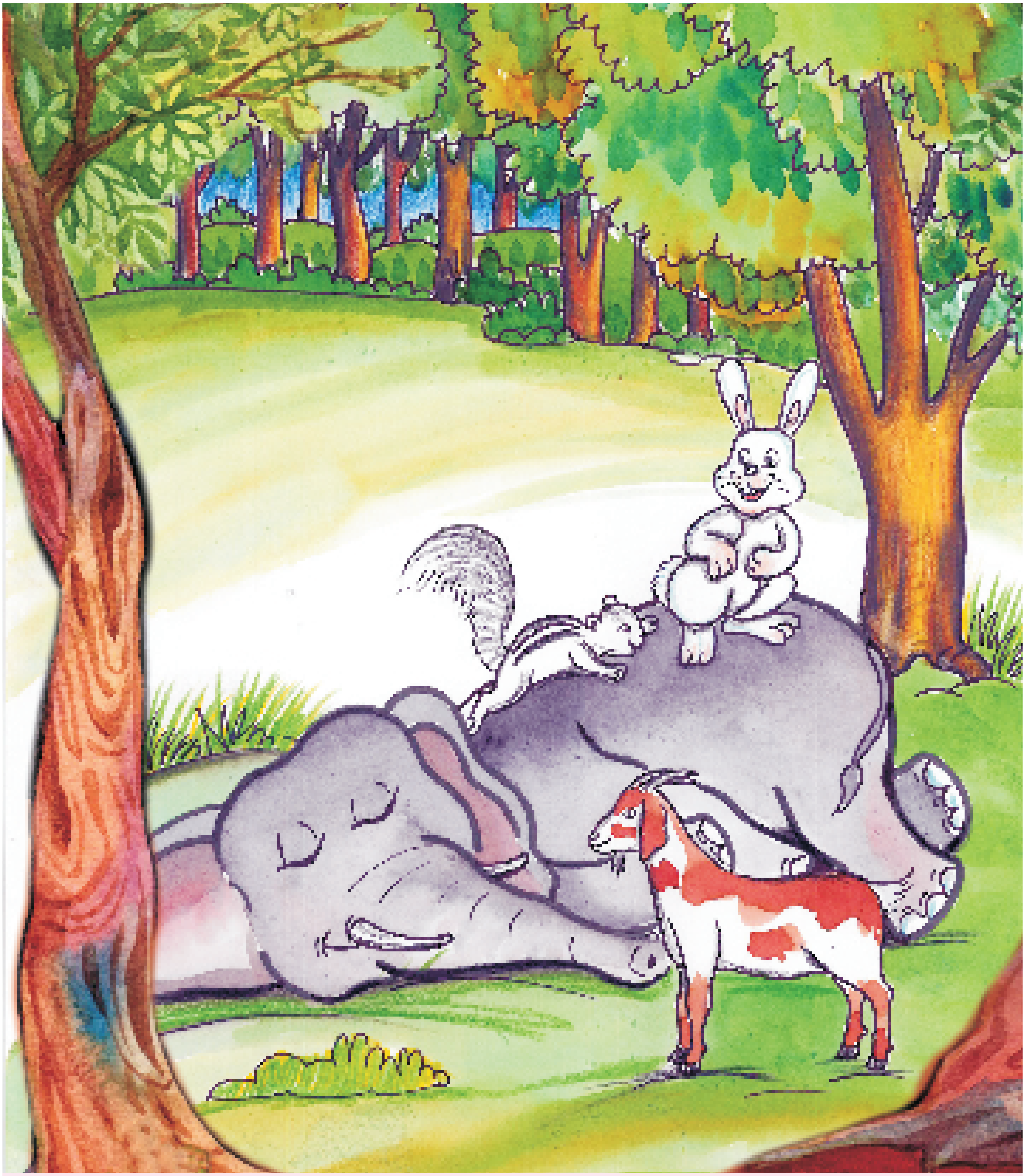

तभी वहाँ एक बकरी आई।

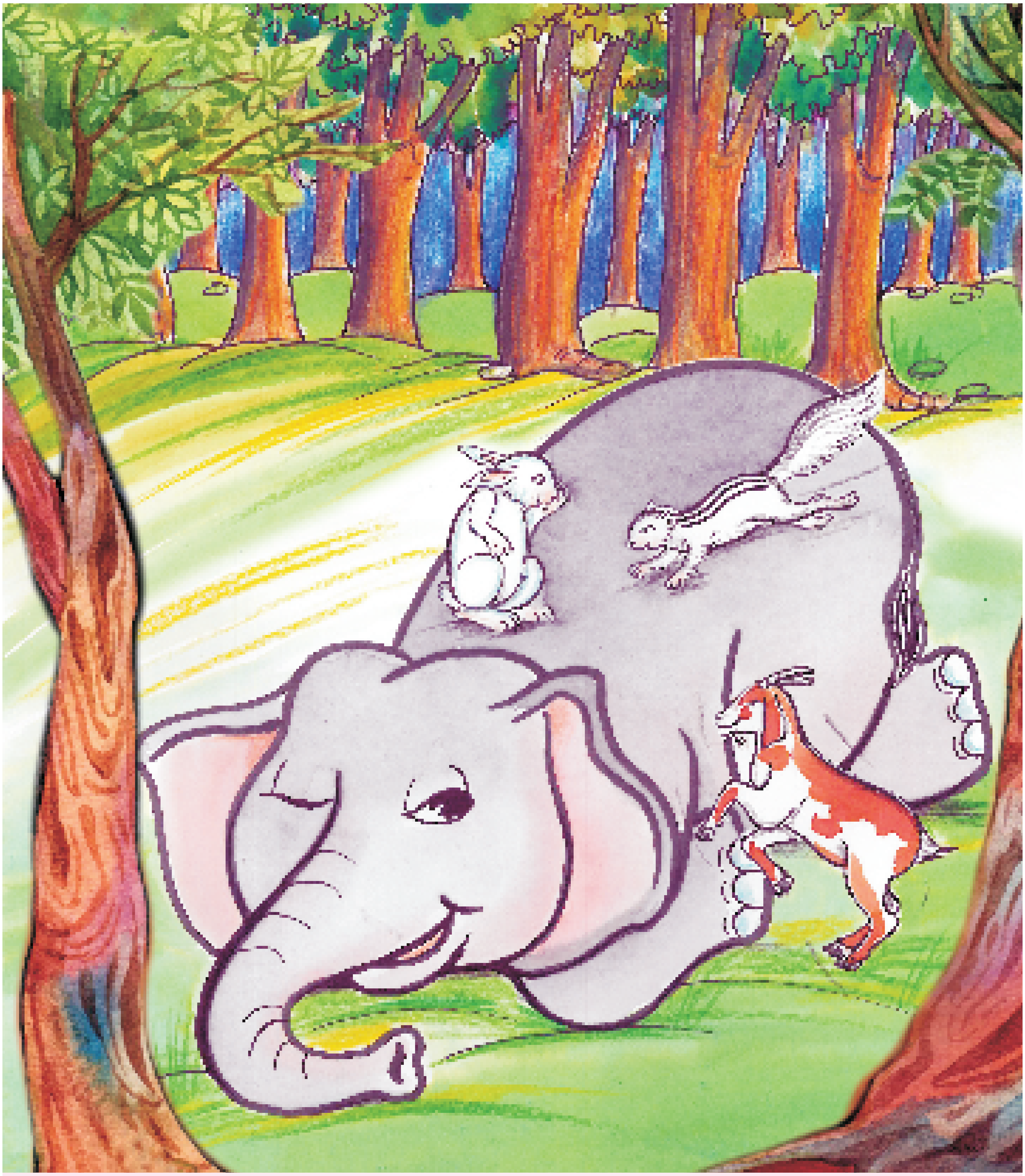

बकरी भी हाथी की पीठ
पर चढ़ने लगी।

अचानक हाथी सोकर उठा।
तीनों हाथी की पीठ से गिर गए।

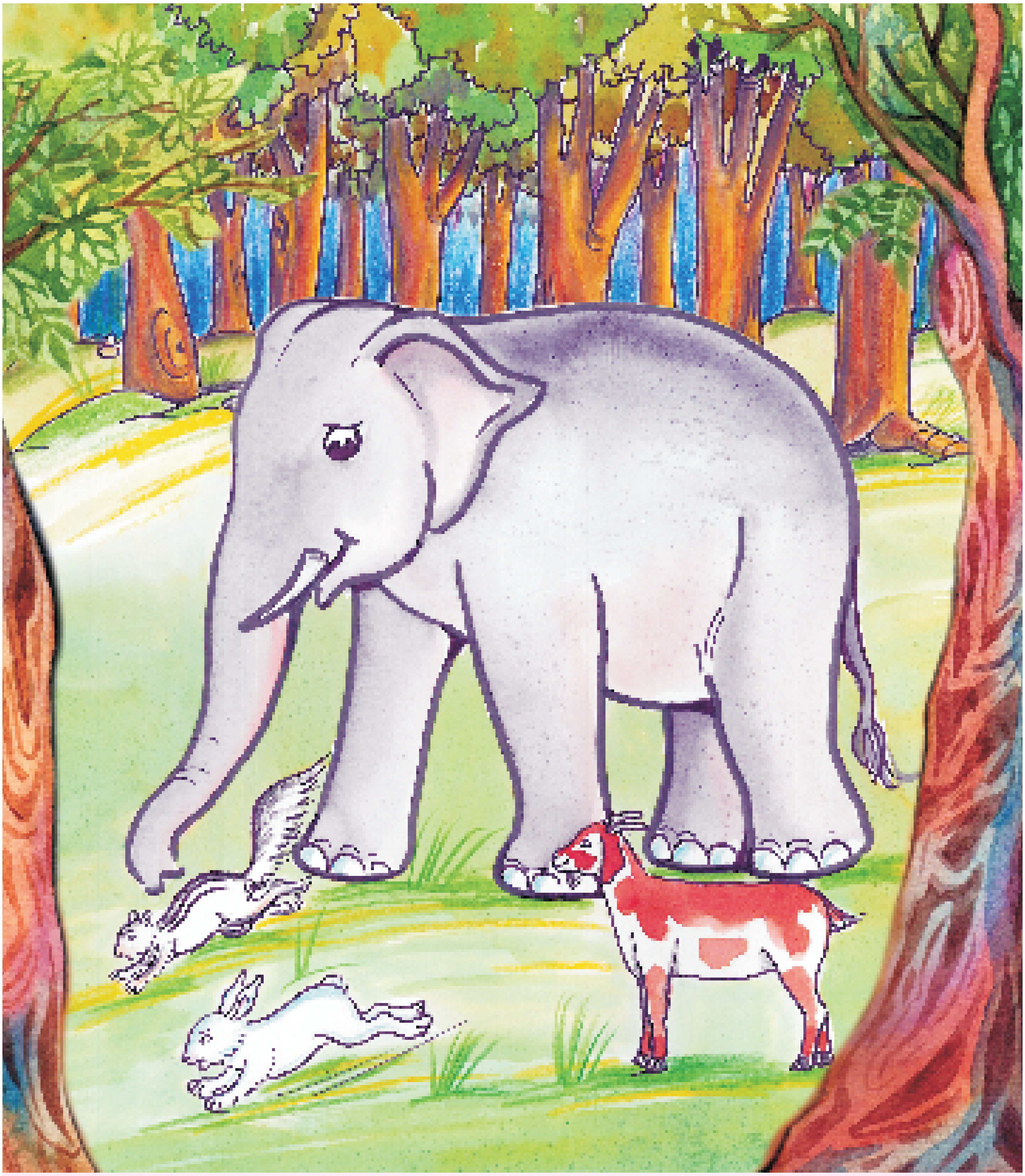

गिलहरी और खरगोश भाग गए।
बकरी वहीं खड़ी रह गई।

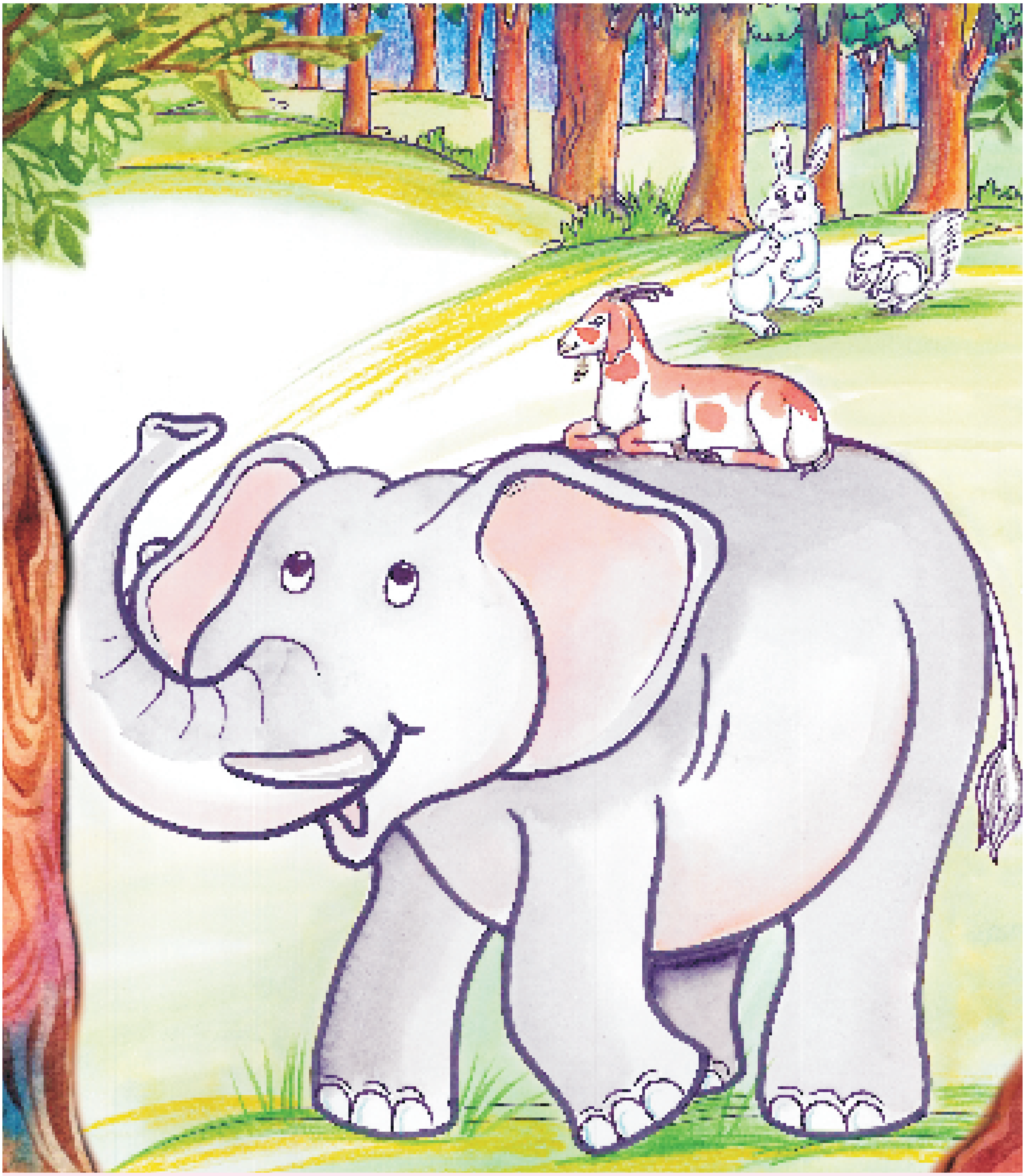

हाथी ने बकरी को अपनी
पीठ पर घुमाया।

Back Cover Inner Side Page

हाथी और बकरी

पेड़ के नीचे एक हाथी सो रहा था। गिलहरी और खरगोश वहाँ खेल रहे थे। खरगोश ने देखा कि हाथी पेड़ के नीचे सो रहा है। खेलते-खेलते वे दोनों हाथी की पीठ पर चढ़ गए। तभी वहाँ एक बकरी आई। बकरी भी हाथी की पीठ पर चढ़ने लगी। अचानक हाथी सोकर उठा। तीनों हाथी की पीठ से गिर गए। गिलहरी और खरगोश भाग गए। बकरी वहीं खड़ी रह गई। हाथी ने बकरी को अपनी पीठ पर घुमाया।

मुख्य शब्द – पेड़, हाथी, गिलहरी, खरगोश, बकरी

हाथी नै बकरी

रूकड़ा नेंसे एक हाथी हुतो अतो। खली नै हांडू वेयं रमी र्यं अतं। खली ए देक्यू के हाथी हुतो है। रमते-रमते बे हाथी ना मोरं माते सड़ी ग्यं। तणी दाण वेयं एक बकरी आवी। बकरी बी हाथी ना मोरं माते सड़वा लागी। तरत हाथी उठी ग्यो। तण्णे हाथी ना मोरं थकी पड़ी ग्यं। खली नै हांडू बे जणं नाही ग्यं। बकरी वेयंस उबी रई गई। हाथी ए बकरी ने आपडं मोरं माते बेहाड़ीने फरावी।

मुख्य शब्द – रूकड़ू, हाथी, खली, हांडू, बकरी

Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

unicef

Back Cover Page